प्रथम प्रश्न पत्र- प्रबन्ध के सिद्धान्त (बीएपीए 201)

खण्ड-1 प्रबन्धन का अर्थ और प्रकृति

1. प्रबन्ध- अर्थ, प्रकृति, कार्य

2. सहभागी प्रबन्ध, अच्छे प्रबन्ध की कसौटियॉ

3. प्रबन्ध और लोक प्रशासन

खण्ड-2 नेतृत्व और नीति निर्माण

1. नेतृत्व: आवश्यकता, अर्थ, प्रकृति, नेतृत्व के गुण, नेतृत्व का विकास

2. नीति निर्धारण: महत्व, अर्थ, नीति और प्रशासन

3. नीति का निर्माण, भारत में नीति निर्माण

खण्ड-3 निर्णयन

1.निर्णय करना: महत्व, अर्थ, प्रकृति, निर्णय करने का आधार

2.निर्णय करने की समस्याएं, नीति निर्धारण एवं हर्बर्ट साइमन

खण्ड-4 नियोजन

1. नियोजन क्यों? नियोजन- अर्थ, नियोजन के प्रकार, नियोजन की प्रक्रिया

2. योजना का निर्धारण- योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद

3. भारत में नियोजन की प्रशासकीय समस्याएं

4. योजना का प्रशासनिक पक्ष- परिवर्तन की रूपरेखा, जन सहयोग

खण्ड-5 लोक संबंध

1.लोक सम्बन्ध- आवश्यकता, अर्थ तथा प्रकृति

2.लोक सम्बन्ध के उपकरण तथा प्रविधियां- प्रचार, व्यक्तिगत सम्पर्क सीधा पत्राचार

खण्ड-6 समन्वय, प्रत्यायोजन, संचार और पर्यवेक्षण

1. समन्वय

2. प्रत्यायोजन

3. संचार

4. पर्यवेक्षण